

सूरजकुंड मेला 2025

चर्चा में क्यों?

[सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला](#) 7 से 23 फरवरी 2025 के बीच फरीदाबाद में आयोजित किया जाएगा। अधिकारियों द्वारा मरम्मत कार्य पर लगभग 1.50 करोड़ रुपए खर्च किये जाने की संभावना है।

मुख्य बटु

- **सूरजकुंड मेला:**
 - यह हमारे शिल्पकारों को कला प्रेमियों से जोड़ने का एक प्रभावी मंच है। यह मेला एक कला प्रदर्शनी और एक व्यापार केंद्र दोनों है।
 - यह मेला भारत की [हस्तशिल्प](#), [हथकरघा](#) और [सांस्कृतिक वरिष्ठता](#) की समृद्धि और विविधता को प्रदर्शित करता है।
 - वर्ष 2025 में मेला क्षेत्र का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिसमें [कारीगरों](#) और प्रतियोगियों के लिये [झोपड़ियों की संख्या बढ़ाने](#) पर जोर दिया जाएगा।
 - वर्ष 2024 में, प्राधिकारियों ने लगभग 1,150 झोपड़ियाँ उपलब्ध कराईं, जिनमें 1,500 से अधिक स्वदेशी और 250 विदेशी शिल्पकारों को रहने की सुविधा दी गई।
 - अतिरिक्त झोपड़ियों की संख्या अभी निर्धारित नहीं की गई है और यह खुली जगह की उपलब्धता पर निर्भर करेगी।
 - मेले की बढ़ती लोकप्रियता और भागीदारी के चलते बढ़ती मांग को पूरा करने के लिये मौसम प्रतियोगी डिज़ाइन वाली अतिरिक्त झोपड़ियों की आवश्यकता महसूस की जा रही है।
 - प्राधिकारियों ने टिकट और पार्किंग सुविधाओं के लिये [दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन \(DMRC\)](#) के साथ एक [समझौता ज्ञापन \(MoU\)](#) पर हस्ताक्षर किये हैं।
 - **साझेदार राष्ट्र और विषय:**
 - [बमिस्टेक देश](#) (बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, थाईलैंड, नेपाल और श्रीलंका) इस आयोजन के **भागीदार राष्ट्र** बने रहेंगे।
- आगामी मेले के लिये थीम **राज्य की घोषणा अभी की जानी है**, हालाँकि असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा और मज़ोरम जैसे पूर्वोत्तर राज्यों पर कला और शिल्प के प्रदर्शन के लिये विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बमिस्टेक

- बमिस्टेक एक क्षेत्रीय संगठन है जिसमें 7 सदस्य देश शामिल हैं- बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड।
- इसकी स्थापना 1997 में [बंगाल की खाड़ी क्षेत्र](#) के देशों के बीच बहुमुखी तकनीकी और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।
- बमिस्टेक द्वारा कवर किया गया क्षेत्र लगभग 1.5 बिलियन लोगों का घर है, जिसका संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद 3.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है।